वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट ने मनाया विश्व पर्यावरण दिवस-2016

विषय: "जीवन के लिए जंगल जाओ"

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट के सौजन्य और स्थानीय एन.जी.ओ. 'रेंगोनी-एक आशा' के सहयोग से विभिन्न कार्यक्रमों के साथ दिनांक 5 जून, 2016 को बामुनपुखुरी उच्च माध्यमिक विद्यालय, हांहचोरा, जोरहाट (असम) में विश्व पर्यावरण दिवस-2016 मनाया गया। कार्यक्रम में आकर्षण के केंद्र बिन्दु के रूप में उपस्थित थें भारत के 'अरण्य मानव' से विख्यात पद्मश्री डॉ. जादव पायेंग।

कार्यक्रम का शुभारंभ वृक्षारोपण से किया गया जिसमें डॉ. पायेंग ने विद्यालय के प्रांगण में एक आम का पौधा लगाया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में जोरहाट के विभिन्न विद्यालयों से आयें विद्यार्थियों ने डॉ. पायेंग को फूलों से सम्मानित किया।

डॉ. पायेंग ने स्कूली बच्चों से विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की और अपने वृक्षारोपण जीवन की यात्रा का वर्णन किया। उन्होंने छात्रों के विभिन्न सवालों का जवाब देते हुए वनों की कटाई, जलवायु परिवर्तन, वन्य जीवन, पारिस्थितिकी तंत्र आदि विभिन्न मुद्दों पर बात की। उन्होंने जोर देकर साल भर अधिक से अधिक संख्या में पौधों के रोपण द्वारा प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने के लिए छात्रों को प्रेरित किया। उन्होंने यह भी कहा कि लगाए गए पौधे की देखभाल बहुत ही महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व है और इसे निष्ठा से पालन करना चाहिए।

डॉ आर. एस. सी. जयराज, निदेशक, व.व.अ.सं., जोरहाट ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सभी जीवित प्राणियों के लिए पानी अमूल्य है जिसे बहुत प्रभावी ढंग से संरक्षित किया जाना चाहिए। उन्होंने असम की जीवन रेखा स्वरूप विशाल ब्रह्मपुत्र के दोनों किनारे पर अधिक से अधिक वनों को विकसित करने पर बल दिया। नदी के कटाव को कम करने, बाढ़ की त्रासदी को कम करने, और पानी के व्यर्थ बहाव को कम करने में वनों से बहुत मदद मिलती है। उन्होंने ब्रह्मपुत्र नदी के रेतीली टीलों पर 'मुलाई वन' विकसित करने के अपने अथक प्रयासों के लिए डॉ. पायेंग की प्रसंशा की।

इस अवसर पर 'अरण्य मानब, पद्मश्री डॉ. जादव पायेंग' शीर्षक से एक पुस्तक का अनावरण किया गया। प्रसिद्ध पत्रकार श्री जीतू कलिता द्वारा रचित यह पुस्तक डॉ. जादव पायेंग की जीवनी है। सभा में श्री कलिता ने पुस्तक की अंतर्निहित सामग्री का सविस्तार व्याख्या किया और बताया कि कैसे उनके खोज से डॉ. जादव पायेंग और उनके द्वारा विकसित वन जिसे 'मुलाई वन' कहा जाता है अस्तित्व में आया।

सभा के अंत में विद्यार्थियों के बीच आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा की गई और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

ववअस ने मनाया विश्व पर्यावरण दिवस 2016

ववअस ने मनाया विश्व पर्यावरण दिवस 2016

ववअस ने मनाया विश्व पर्यावरण दिवस 2016

R.J. HARDWARE & SANITARY MART

ইতিবাচক চিন্তাৰে ৰুচিসম্পন্ন পাঠকৰ বাবে
e-paper : www.janasadharan.i

জনসাধাৰণ

ষষ্ঠ বছৰ • সংখ্যা ৩০২ • মঙ্গলবাৰ
• ২৪ জেঠ, ১৯৩৮ শক • ৭ জুন, ২০১৬ চন, মুঠ পৃষ্ঠা ১২
Dibrugarh, Janasadharan • Vol. 6th • Issue 302 • Tuesday, 7th June, 2016, Total Pages 12
গুৱাহাটী আৰু ডিব্ৰুগড়ৰপৰা প্ৰকাশিত
দাম ঃ ৬ টকা
RNI Regn. No. ASS ASS/2010/3704

টীয়কত বিশ্ব পৰিৱেশ দিৱস পালন

অৰণ্যমানৱ যাদৱ পায়েঙৰ অংশগ্ৰহণ □ ঔষধি গছ ৰোপণ

জনসাধাৰণ সেৱা, টীয়ক, ৬ জুন ঃ ৰাজ্যত প্ৰাথমিক পৰ্যায়ৰ পৰিৱেশ শিক্ষাৰ প্ৰচলন বাধ্যমূলক কৰা আৰু যুৱপ্ৰজন্মক পৰিৱেশ সম্পৰ্কীয় জ্ঞান প্ৰদান কৰি সচেতন কৰাৰ ক্ষেত্ৰত নতুন চৰকাৰখনৰপৰা আশা কৰে অৰণ্যমানৱ পদ্মশ্ৰী যাদৱ পায়েঙে। ৰেঙণি, এটি আশা, নামৰ এটি স্বেচ্ছাসেৱী সংগঠন আৰু বৰ্ষাৰণ্য গৱেষণা প্ৰতিষ্ঠান যোৰহাটৰ উদ্যোগত টীয়ক বামুণপুখুৰী হাইস্কুলত বিশ্ব পৰিৱেশ দিৱসৰ এক মনোজ্ঞ অনুষ্ঠানত এই কথা ব্যক্ত কৰে পায়েঙে। এই অনুষ্ঠানটোত ভাষণত পায়েঙৰ পৰিৱেশ সচেতনতাৰ ওপৰত অভিজ্ঞতাপুষ্ট সাৰুৱা জ্ঞান লাভ কৰে অঞ্চলটোৰ ছাত্ৰ-ছাত্ৰী তথা ৰাইজে। অনুষ্ঠানটোৰ আৰম্ভণিতে গ্ৰামাঞ্চলৰ ৰাইজৰ লগত এক শোভাযাত্ৰাত অংশগ্ৰহণ কৰি পিছলৈ তেওঁ ছাত্ৰ-ছাত্ৰীসকলৰ মাজত বিষয়টো অধিক মনোগ্ৰাহী কৰি তুলিবলৈ চেষ্টা কৰা দেখা যায়।

পায়েঙৰ অনুপ্ৰেৰণাত ৰেঙণি নামৰ স্বেচ্ছাসেৱী সংগঠনটোৱে আজিৰেপৰা ২৫০খন টীয়ক সমষ্টিৰ অন্তৰ্গত বিদ্যালয়ত ২০টাকৈ ঔষধি গছপুলি ৰোপণৰ দৰে এক যোগাত্মক কাৰ্যসূচী হাতত লয়। এই সভাতে আন্তঃৰাষ্ট্ৰীয় পৰিৱেশ কৰ্মী তথা সাংবাদিক জিতু কলিতাৰ ‘পদ্মশ্ৰী যাদৱ পায়েং’ নামৰ অৰণ্য মানৱগৰাকীৰ জীৱনীমূলক এখন গ্ৰন্থ উন্মোচন কৰা হয়। ১৯৭২ চনৰেপৰা পৰিৱেশ দিৱস উদ্‌যাপন কৰি অহা অৰণ্যমানৱগৰাকীয়ে আজিপৰ্যন্ত ৰাইজক এই সম্পৰ্কে সজাগ কৰিব নোৱাৰাৰ বাবে আক্ষেপ প্ৰকাশ কৰে। এই অনুষ্ঠানত বৰ্ষাৰণ্য প্ৰতিষ্ঠানৰ সঞ্চালক আৰ এছ চি জয়ৰাজ, ঋষেশ্বৰ শৰ্মাকে প্ৰমুখ্য কৰি ভালেকেইজন গণ্য-মান্য ব্যক্তি উপস্থিত থাকে। সংগঠনটোৰ পৰিৱেশ সম্পৰ্কে লোৱা এনে গঠনমূলক অনুষ্ঠানৰ বাবে সচেতন মহলে কৃতজ্ঞতা জ্ঞাপন কৰিছে।